एम. ए. (हिंदी)

सत्रांत परीक्षा, चतुर्थ सेमेस्टर (चौथा सत्र), 2017

विषय कोड सं. PGHND4C005T प्रश्न–पत्र : शैलीविज्ञान

समय : 3 घटे | अधिकतम अंक : 100

निर्देश : 1. प्रश्न पत्र में तीन अनुभाग क, ख तथा ग हैं।

2. अनुभाग 'क' में दस बहुविकल्पी प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न डेढ अंक का है।

3. अनुभाग 'ख' में पांच लघु उत्तरी प्रश्न आन्तरिक चयन/अथवा के साथ दिये गये हैं। परीक्षार्थी को सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न आठ अंक का है।

4. अनुभाग 'ग' में प्रत्येक इकाई से एक–एक दीर्घ उत्तरी प्रश्न आन्तरिक चयन के साथ दिये गये हैं। जिसमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न पन्द्रह अंक का है।

अनुभाग : क (बहुविकल्पी प्रश्न) $10 \times 1.5 = 15$

प्रश्न. 1 (i) भारतीय काव्यशास्त्रीय तत्वों के आधार शैलीवैज्ञानिक समीक्षा किस विद्वान ने की है–

क) नीरजा टंडन (ख) देवेन्द्रनाथ शर्मा

(ग) भोलानाथ तिवारी (घ) विद्यानिवास मिश्र

(ii) जर्मनी शैलीविज्ञान की अवधारणा इसमें नहीं है–

(क) मनोवैज्ञानिक (ख) सौन्दर्यमूलक

(ग) बहुसूत्रीय (घ) कोशीय

(iii) काव्यभाषा का संबंध है–

(क) कृतिम से (ख) अकृतिम से

(ग) अशिक्षित से (घ) मनाक से

(iv) इसमें शैली की अवधारणा का स्वरूप है–

(क) सामान्यभाषा (ख) विचलन

(ग) काव्यभाषा (घ) कवि की भाषा

(v) 'शैलीविज्ञान वस्तुपरक चिन्तन पर आधारित समालोचना सिद्धांत है।' किस विद्वान का कथन है?

(क) विद्यानिवास मिश्र (ख) कृष्ण कुमार शर्मा

(ग) सुरेश कुमार (घ) रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

(vi) शैलीविज्ञान में 'वस्तुनिष्ठ' का अर्थ है–

(क) पूर्वग्रहयुक्त (ख) कालयुक्त

(ग) पूर्वग्रहमुक्त (घ) रचनाकारयुक्त

(vii) शैलीविज्ञान में 'एकाधिक विकल्प' को कहते हैं–

(क) चयन (ख) विरलता

(ग) विचलन (घ) विपथन

(viii) निम्नलिखित में से कौन–सा विचलन से संबंधित नहीं है–

(क) विरलता (ख) विपणन

(ग) विचलन (घ) विपथन

(ix) 'मोचक' संरचना होती है–

(क) संरचना की समानता से (ख) संरचना की असमानता से

(ग) शब्दों की एकरूपता से (घ) अल्पविरामादि चिह्न से

(x) 'प्रोक्ति' को अंग्रेजी में कहते हैं–

(क) डिक्शेनरी (ख) डिस्कोर्स

(ग) डिवाइनेशन (घ) लेक्सिकॉन

अनुभाग : ख (लघु उत्तरी प्रश्न) **5 × 8 = 40**

प्रश्न. 2 रूसी–चेक शैलीविज्ञान के अध्ययन की परम्परा को विस्तार से समझाइए। **अथवा**

जर्मन शैलीविज्ञान पर एक निबंध लिखिए।

प्रश्न. 3 सामान्यभाषा और काव्यभाषा पर प्रकाश डालिए। **अथवा**

शैली को परिभाषित करते हुए, उसके स्वरूप की विवेचना कीजिए।

प्रश्न. 4 शैलीविज्ञान को समझाते हुए, उसके स्वरूप का विस्तार से वर्णन कीजिए। **अथवा**

शैलीविज्ञान को परिभाषित करते हुए, उसके क्षेत्र एवं विशेषताओं का सोदाहरण उल्लेख कीजिए।

प्रश्न. 5 चयन के आशय को समझाते हुए, चयन के प्रकारों का उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। **अथवा**

विचलन की परिभाषा देते हुए, विचलन के वर्गीकरण की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न. 6 अभिव्यक्तिपरक प्रोक्ति के भेदों का उल्लेख कीजिए। **अथवा**

प्रोक्ति संरचना के आशय से आप क्या समझते हैं? प्रोक्ति संरचना के प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

अनुभाग : ग (दीर्घ उत्तरी प्रश्न) **3 × 15 = 45**

प्रश्न. 1 शैलीविज्ञान की भारतीय अध्ययन–परम्परा को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न. 2 शैली के आशय को समझाते हुए, उसकी अवधारणा की विवेचना कीजिए।

प्रश्न. 3 शैलीविज्ञान की परिभाषा को स्पष्ट करते हुए, उसके स्वरूप एवं क्षेत्र को विस्तार से समझाइए।

प्रश्न. 4 समानान्तरता से आप क्या समझते हैं? समानान्तरता के प्रकारों की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न. 5 प्रोक्ति को परिभाषित करते हुए, प्रोक्ति के अनुप्रयोग–प्रविधियों का सोदाहरण उल्लेख कीजिए।